धरोहर

मध्यप्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड

समाचार पत्रिका
अंक : प्रथम
वर्ष : 2015

पर्यावरण संरक्षण के लिये दौड़ा भोपाल

पर्यावरण जन - जागरूकता सप्ताह (1 जून से 8 जून 2014) के अंतर्गत टी.टी. नगर स्टेडियम से ''रन- भोपाल 1 जून 2014'' का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि माननीय श्री कैलाश विजयवर्गीय, मंत्री, नगरीय प्रशासन एवं पर्यावरण विभाग थे। इस अवसर पर पूर्व सांसद श्री कैलाश सारंग, माननीय स्वास्थ्य मंत्री डॉ नरोत्तम मिश्र, माननीय सांसद श्री आलोक संजर, मान. विधायक श्री रामेश्वर शर्मा, मान. विधायक विश्वास सारंग, कलेक्टर भोपाल सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित थे।

''रन - भोपाल : 2014 दौड़ '' सुबह 8.00 बजे टी.टी. नगर स्टेडियम से शुरु होकर लिंक रोड नं. 1 से होती हुई जे.पी. अस्पताल चौराहे तक पहुची और यहीं से वापस टी.टी. नगर स्टेडियम मे जाकर समाप्त हुई। ''रन - भोपाल 2014'' मे 10 वर्ष से लेकर 70 वर्ष तक के लगभग 12000 से अधिक लोगो ने भाग लिया। इनमे से कुछ ऐसे भी थे जो स्केटिंग व साईकिलिंग करते हुये आगे बढ़ रहे थे। कार्यक्रम का फ्लेग ऑफ माननीय मंत्री श्री कैलाश विजयवर्गीय एवं माननीय मंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्र ने किया। इसके पहले सभी लोगो को पूर्व सांसद श्री कैलाश सारंग द्वारा पर्यावरण संरक्षण की शपथ दिलाई गई । कार्यक्रम मे केमिस्ट एसोसियेशन, नर्सिंग एसोशियेशन, डॉक्टर एसोसियेशन, रेलवे कोच फैक्ट्री, बी.एच.ई.एल, ल्यूपिन सहित अन्य संस्थानो तथा उद्योगो ने भी भाग लिया।

बोर्ड के अध्यक्ष डॉ. एन पी शुक्ला ने लोगो से अपील की कि आने वाले समय को अच्छा और बेहतर बनाना चाहते है, तो हर नागरिक पर्यावरण की सुरक्षा अपना दायित्व समझे । लोगो को अधिक से अधिक वृक्षारोपण करने के लिये प्रेरित भी किया गया ।

श्री विजय कुमार अहिरवार, (समन्वयक रन - भोपाल 2014) द्वारा कार्यक्रम मे पधारे सभी अतिथियों, छात्रों, नागरिक गणों, शासकीय-अशासकीय संस्थानो, उद्योगो, नर्सिंग होम एसोसियेशन, आई.एम.ए सहित स्टेडियम प्रबंधन एवं मीडिया का आभार व्यक्त करते हुये सभी से आगामी वर्ष 2015 मे पुनः मिलने का अनुरोध किया गया ।

UNEP

Raise your voice not the sea level

World Environment Day
5 June 2014

अध्यक्ष की कलम से ...

पर्यावरण संरक्षण हेतु कुछ नई शुरूआत करें, कुछ सीखें उन पंच तत्वों से जो सदियों से इस जगत को जीवन, ऊर्जा, उमंग और उत्साह प्रदान कर रहे हैं।

सूर्य सबसे वरिष्ठ और नित नूतन है। सहस्त्राब्दियों से वह जीव–जंतु से लेकर वनस्पती को प्रकाश देता आ रहा है। हम उससे सीखें जरूरत मंदों के जीवन में प्रकाश फैलाना।

असीम सहनशीलता का शिखर है यह धरा...... जिसके भीतर अनेकों प्रकार के खनिजों का भंडार है। अधिकांश खाद्य पदार्थ फल, फूल और अनाज इस धरा से ही उत्पन्न होते हैं। परंतु पेड़–पौधे काटने तथा घरेलू व औद्योगिक अपशिष्ट से सुजलाम, सुफलाम, शस्य, श्यामला पृथ्वी बंजर हो रही है। इसे पुनः सुन्दर बनाने के लिए आवश्यक है कि हम वृक्षारोपन कर इसका श्रंगार करें ताकि यह सृजन करती रहे।

जल के बिना जीवन की कल्पना भी नहीं की जा सकती है। हमारी संस्कृति में सभी शुभकार्यो में जल का आव्हान किया जाता है जो यत्र–तत्र सर्वत्र प्रदूषण से त्रस्त है। जल हमारे जीवन का महत्वपूर्ण अंग है जल की शुद्धता, सुरक्षा का दायित्व भी हमारा है।

शुद्ध वायु हमारे जीवन के लिए अनिवार्य है। हम मिलावट युक्त भोजन एवं प्रदूषित जल को थोड़ी देर के लिए त्याग सकते हैं, लेकिन यह जानते हुए भी कि वायु प्रदूषित है सांस लेना एक मिनट के लिए भी बंद नहीं करे सकते । उद्योगों, वाहनों से उत्सर्जन के चलते वायु प्रदूषण बढ़ रहा है ऐसे में वायु की शुद्धता सुनिश्चत करना परम आवश्यक हैं।

आकाश को देखते ही हमें अपनी सीमाओं के संकुचन की भ्रांति दूर हो जाती है। हम उन पक्षियों की तरह उड़ान भरें, जिनके लिए कोई सरहद, कोई सीमा नहीं। आकाश से जाने अनंत संभावनाएं......

इन सभी पंच तत्वें से प्रस्फुटित पर्यावरण की शुद्धता जीवन को बचाये रखने के कार्य के लिये अनिवार्य है इस कार्य में हम नव ऊर्जा से निरंतर जुटे रहें........

इन्ही शुभकामनाओं के साथ!

(डॉ.एन.पी.शुक्ला)
अध्यक्ष

विश्व पर्यावरण दिवस विशेषांक

प्रतिवर्ष पर्यावरण दिवस पर पर्यावरण जन–चेतना हेतु बोर्ड द्वारा विभिन्न जन–जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किऐ जाते हैं। इस वर्ष माननीय अध्यक्ष डॉ. एन.पी. शुक्ला के विशेष प्रयास एवं निर्देश पर 1 जून से ही पर्यावरण जनजागरूकता सप्ताह का आयोजन किया गया। धरोहर के इस अंक में आप पायेंगे म.प्र. प्रदूषण बोर्ड द्वारा क्षेत्रवार आयोजित कार्यक्रमों का ब्यौरा जिसके संयोजन में श्री व्ही.के. अहिरवार, अधीक्षण यंत्री, म.प्र. प्रदूषण नियत्रण बोर्ड का विशेष सहयोग रहा है।

" विश्व पर्यावरण दिवस 5 जून, 2014 "

हम जानते हैं कि 5 जून, 2014 का दिन पूरे विश्व में विश्व पर्यावरण दिवसके रूप में आयोजित किया जाता है। इस वर्ष UNEP द्वारा विश्व पर्यावरण दिवस की थीम "Small Island Developing States (SIDS)" रखी गयी है। तात्पर्य यह है कि समाज में पर्यावरण संबंधी जागरूकता बढ़े ताकि ग्रीन हाऊस गैसों के उत्सर्जन को नियंत्रित करते हुए ग्लोबल वार्मिंग पर रोक लगाई जाकर समुद्री जल स्तर भी बढ़ने से रोका जा सके।

म.प्र. प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड एक संवैधानिक संस्था है जो प्रदेश में पर्यावरण अधिनियमों, नियमों का परिपालन कराती है, इसके अतिरिक्त जनमानस से पर्यावरण संरक्षण और प्रदूषण नियंत्रण हेतु जागरूकता बढ़ाना भी बोर्ड का उत्तरदायित्व है।

विश्व पर्यावरण दिवस 5 जून, 2014 के महत्व को दृष्टिगत रखते हुए म.प्र. प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा पूरे प्रदेश में पर्यावरण संरक्षण जागरूकता सप्ताह का आयोजन किया गया है। इस कार्यक्रम को यादगार बनाने के लिये पूरे प्रदेश में सप्ताह भर के लिये प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड एवं पर्यावरण संरक्षणजागरूकता संबंधी अनेक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया । इसी क्रम में 1 जून 2014 को "रन भोपाल 2014 का आयोजन से प्रारम्भ किया गया।

क्षेत्रीय कार्यालय भोपाल

भोपाल नगरवासियों, उद्योग संगठनों, नर्सिंग होम तथा चिकित्सा से जुड़े समस्त संस्थानों के संयुक्त प्रयासो से "रन भोपाल 2014" मात्र दौड़ नहीं बल्कि पर्यावरण की अलख जगाने का विनम्र प्रयास था। आपने हमारे साथ मिलकर इस प्रयास का सफल बनाया। हमारे साथ आयें, प्रदूषण रोकने तथा पर्यावरण बचाने में योगदान दिया बहुत–बहुत धन्यवाद। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर हम सभी नागरिक संकल्प लें कि संविधान में वर्णित दायित्व पर्यावरण संरक्षण एवं प्रदूषण नियंत्रण के लिये हम प्रतिबद्ध रहेंगे। बोर्ड सभी नागरिकों से प्रदूषण नियंत्रण तथा पर्यावरण संरक्षण में सहयोग की अपील करता है।

आज आवश्यकता है समाज में पर्यावरण संबंधी जागरूकता बढ़े ताकि ग्रीन हाऊस गैसों के उत्सर्जन को नियंत्रित करते हुए ग्लोबल वार्मिंग पर रोक लगाई जाकर समुद्री जल स्तर भी बढ़ने से रोका जा सके। किसी भी तरह हमें अपने आपको और अपने पर्यावरण को बचाना ही है। साथ ही मानवता के विकास और विनाश के बीच समन्वय बैठाकर कार्य करना ही सर्वोत्तम है। रूपयों के पीछे भागने के प्रवृत्ति को त्यागना होगा।

क्षेत्रीय कार्यालय इन्दौर

01 जून को धार्मिक नगरी ओंकारेश्वर में नर्मदा नदी के किनारे बने घाटों पर जन–जागरूकता हेतु पर्चे वितरित किए गये तथा कूड़ा–कचरा, पॉलिथिन एवं अन्य पूजन सामग्रियॉं नदी में न डालने हेतु समझाइश दी गई। नगर पंचायत कार्यालय के सहयोग से घाटों पर सफाई अभियान चलाया गया।

02 जून को धार्मिक नगरी महेश्वर में नर्मदा नदी के किनारे बने घाटों पर इसी तरह की समझाइश दी गई एवं नगर पंचायत के सहयोग से घाटों पर सफाई अभियान चलाया गया।

03 जून को इंदौर के होटल फॉर्च्युन लैण्डमार्क एवं विज्ञान भारती के साथ संयुक्त रूप से इंदौर जिले के स्कूली बच्चों के लिए ''पर्यावरण और हम'' विषय पर चित्रकला एवं स्लोगन प्रतियोगिता का आयोजन किया जिसमें 300 बच्चों ने भाग लिया । विजेता प्रतिभागियों को माननीय मंत्री श्री कैलाश विजय वर्गीय द्वारा ट्रॉफी एवं प्रमाण–पत्र वितरित किये गये।

04 जून को फोटोग्राफी प्रतियोगिता प्रतियोगिता आयोजित की गई तथा निःशुल्क वाहन प्रदूषण जॉंच शिविर लगाया गया, जहां लगभग 300 वाहनों का उर्त्सजन मापन किया गया।

05 जून को अभ्यास मण्डल, लायन्स क्लब, राष्ट्रीय सेवा योजना, केयर फाउण्डेशन, एन.सी.सी. इंदौर डव्हलपमेंट फाउण्डेशन, गुर्जर समाज, देवी अहिल्या विश्वविद्यालय, महात्मा गांधी मेडिकल कॉलेज तथा विज्ञान भारती के साथ संयुक्त रूप से देवी अहिल्या विश्वविद्यालय प्रांगण से पर्यावरण जागरूकता रैली निकाली गयी। रैली में उपस्थित लगभग 600 प्रतिभागी पर्यावरण संरक्षण पर लिखे स्लोगन की तख्तियॉं व बैनर लेकर चल रहे थे। रैली का समापन जाल सभागृह तुकोगंज पर हुआ। सायं 7.00 बजे होटल फॉर्च्युन लैण्डमार्क में राज्य स्तरीय पर्यावरण पुरस्कार कार्यक्रम संपन्न हुआ।

क्षेत्रीय कार्यालय कटनी

कटनी में भी 2 से 7 जून तक परिवेशीय वायु गुणवत्ता, ध्वनि मापन, पोस्टर पेम्पेलेटस का वितरण, वाहन प्रदूषण मापन हेतु, जनजागरूकता शिविर तथा पर्यावरण रैली का आयोजन किया गया। जिसमें जबलपुर के प्रयोगशाला प्रभारी डॉ.डी.के. वागेला तथा वैज्ञानिक व्दय, डॉ एस. के. खरे. एवं डॉ. ए.के. खरे ने शिरकत की ।

क्षेत्रीय कार्यालय धार

क्षेत्रीय कार्यालय धार द्वारा सप्ताह के पाचों दिन वाहन प्रदूषण मापन कार्यक्रम, चित्रकला प्रतियोगिता, जन–जागरूकता रैली / वृक्षारोपण आदि कार्यक्रम किये गये।

03 जून, 2014 को आपात अनुक्रिया केन्द्र एवं क्षेत्रीय कार्यालय, धार के संयुक्त तत्वाधान में औघोगिक क्षेत्र, पीथमपुर स्थित में ब्रिजस्टोन इण्डिया प्राइवेट लि. के सभागार में "रसायनिक सुरक्षा एवं आपात तैय्यारी" विषय पर एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिसमे पीथमपुर औद्योगिक क्षेत्र में स्थित विभिन्न उद्योगों के प्रतिनिधियों, जिला प्रशासन, औद्योगिक स्वास्थ्य एवं सुरक्षा एवं क्षेत्रीय कार्यालय , धार एवं इंदौर के लगभग 150 प्रतिभागियों ने शिरकत की।

कार्यक्रम का उद्घाटन जिला संकट समूह के उपाध्यक्ष श्री मनोज खत्री (ए.डी.एम.) के द्वारा किया गया। कार्यशाला के तकनीकी सत्र में डॉ गुणवंत जोशी, प्रभारी, ई.आर.सी. ने आपात अनुक्रिया केन्द्र की गतिविधियों पर जानकारी दी। अमोनिया एवं क्लोरिन गैसों से सुरक्षा एवं बचाव से संबंधित विषय पर श्री एच.एस. सहगल तथा रसायनों से सुरक्षा एवं आपात तैय्यारी पर श्री टी.ई.सी. विद्यासागर द्वारा सारगर्भित उद्बोधन दिया।

04 जून को धामनोद नगर में एक बड़ी रैली पर्यावरण जागरूकता के उद्देश्य से निकाली गई, जिसमें जिलाध्यक्ष कार्यालय के अधिकारियों / कर्मचारियों सहित शहर के गणमान्य नागरिक एवं बड़ी संख्या में स्कूल व महाविद्यालय के छात्र–छात्राओं द्वारा भाग लिया गया । धामनोद में आयोजित वाहन प्रदूषण मापन कार्यक्रम में क्षेत्रीय कार्यालय के अधिकारियों के अतिरिक्त संयुक्ल कलेक्टर, खाद्य अधिकारी तथा पुलिस प्रशासन के अधिकारी उपस्थित थे।

क्षेत्रीय कार्यालय जबलपुर

02 जून को पर्यावरण सप्ताह का शुभारंभ करते हुए जबलपुर में रानीताल स्थित स्वरूप ऑटोमोबाइल पर जनजागृति केम्प का आयोजन किया गया। इस अवसर पर पेट्रोल एवं डीजल चलित वाहनों की फ्री चेकिंग करते हुये पर्यावरण प्रदूषण नियंत्रण एवं पर्यावरण संरक्षण का संदेश देनेवाले पम्पलेट्स का वितरण किया गया।

03 जून को कटंगा स्थित हांडा पेट्रोल पंप पर वाहन प्रदूषण एवं वायु गुणवत्ता का मापन किया गया। बच्चों में पर्यावरण के प्रति जागृति पैरा करने तथा पर्यावरण के प्रति उनके विचारों को मूर्त रूप देने के उद्धेश्य से 4 जून को महाराष्ट्र उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, गोलबाजार में चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में बच्चों ने अपने कल्पनाओं का उत्कृष्टता के साथ प्रदर्शन कर पर्यावरण पर होने वाले प्रभावों एवं उनको नियंत्रित करने के उपायों को सुंदर चित्रों के माध्यम से प्रदर्शित किया। प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करनेवाले बच्चों को पुरस्कृत किया गया तथा भाग लेनेवाले सभी बच्चों को प्रमाण पत्र दिये गये।

04 जून को रानी दुर्गावती संग्रहालय में कार्टून एवं लघु निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसका विषय ''पर्यावरण संरक्षण हमारे अस्तित्व का प्रश्न'' रखा गया प्रतियोगिता दो आयु वर्गो में रखी गयी थी। दोनों आयु वर्ग में तीन-तीन पुरस्कार श्री प्रभात कुमार साहू, महापौर के करकमलों द्वारा दिया गया।

05 जून को ''पर्यावरण संरक्षण में प्रत्येक नागरिक की जिम्मेदारी'' विषय पर परिचर्चा रानी दुर्गावती संग्रहालय में आयोजित की गई। परिचर्चा में एन.जी.ओ. संस्था के संस्थापक श्री योगेश गनोरे, इंजीनियर श्री संजय वर्मा तथा शहर के प्रतिष्ठित आर्थोपेड्रिक सर्जन डॉ0 जितेन्द्र जामदार ने भाग लिया। सम्मानीय अतिथि के रूप में डॉ0 राजकुमार तिवारी तथा मुख्य अतिथि जबलपुर शहर के महापौर श्री प्रभात कुमार साहू थे। परिचर्चा में पर्यावरण संरक्षण के प्रत्येक पहलू पर विचार किया गया।

छिन्दवाड़ा जिला मुख्यालय में 5 जून को पर्यावरण जनजागृति रैली निकाली गयी । बालाघाट में 5 जून को जनजागृति के साथ चित्रकला प्रतियोगिता तथा 6 जून को पर्यावरण जनजागृति रैली निकाली गयी। नरसिंहपुर जिला मुख्यालय में 7 जून को जानजागृति केम्प तथा वाहन प्रदूषण मापन किया गया।

08 जून को पं. रविशंकर स्टेडियम राइट टाउन जबलपुर में पर्यावरण दौड़ 'जबलपुर रन जबलपुर' का आयोजन किया गया, जिसमें आम जनता का जन सैलाव उमड़ पड़ा । दौड़ प्रातः 7:30 बजे प्रारंभ होकर प्रातः 9:30 बजे ग्वारीघाट में सम्पन्न हुई। कार्यक्रम मे क्षेत्रीय अधिकारी श्री एम. एल. पटेल एवं बोर्ड के कटनी, छिन्दवाड़ा के अधिकारियों सहित बोर्ड मुख्यालय से श्री व्ही. के. अहिरवार उपस्थित थें।

क्षेत्रीय कार्यालय ग्वालियर

02 जून को विवेकानन्द नीडम हरिशंकरपुरम के पीछे ग्वालियर में चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में प्रथम ग्रुप के अंतर्गत कक्षा 3 से 6 तक के तथा द्वितीय ग्रुप के अंतर्गत कक्षा 7 से 12 के छात्र-छात्राओं द्वारा भाग लिया गया । उसी दिन पर्यावरण रैली विषयक बालभवन ग्वालियर में पत्रकार वार्ता का आयोजन किया गया।

03 जून को जिला मुरैना में पर्यावरण संरक्षण व संवर्धन रैली का आयोजन सायंकाल 4 बजे से 6 बजे तक किया गया। रैली पं. रामप्रसाद बिसमिल सभागार से होती हुई रूई की मंडी स्टेशन चौराहा होते हुये वापिस सभागार में समाप्त हुई। रैली में नगर पालिका मुरैना के अधिकारी/कर्मचारी, क्षेत्रीय कार्यालय के अधिकारी/कर्मचारी, प्लास्टिक उत्पादों के बिकेता, उद्योग प्रतिनिधि नर्सिंग होम्स एशोसियेशन के पदाधिकारी एवं एन.जी.ओ.सहित हजारों अमजनों ने भाग लिया।

05 जून को ग्वालियर शहर में पर्यावरण संरक्षण के लिये जिला प्रशासन ग्वालियर, क्षेत्रीय कार्यालय ग्वालियर तथा नगर निगम ग्वालियर द्वारा एक विशाल पर्यावरण रेली का आयोजन किया गया। यह रैली प्रातः 7:00 बजे से प्रातः 8:30 बजे तक नगर के विभिन्न मार्गो से होकर निकाली गयी। रैली में शासकीय संस्थाओं सहित चैम्बर ऑफ कामर्स, वरिष्ठ नागरिक सेवा संस्थान, एन.एस.एस. ग्वालियर, एन.सी.सी के छात्र, भारत विकास परिषद की सभी शाखायें, लायन्स एवं रोटरी क्लब की सभी शाखायें, प्रजापिता ब्रम्हकुमारी के प्रतिनिधि, दिव्यज्योति संस्थान, विभिन्न एन.जी.ओ., उद्योगों के

प्रतिनिधि, औद्योगिक संगठ्न, शहर के शिक्षण संस्थान व नर्सिंग होम्स के प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

06 जून को जिला भिण्ड में प्रातः 8:00 बजे से 10: बजे तक पर्यावरण रैली का आयोजन किया गया। रेली मेला प्रांगण से प्रारंभ होकर गोल मार्केट मैन बाजार तथा हॉस्पिटल रोड होते हुये मेला ग्रांउड में ही समाप्त हुई।

07 जून को जिला दतिया में पर्यावरण रैली का आयोजन सायं 4:00 बजे से 6:00 बजे तक किया गया । रैली बग्घीखाना से प्रारंभ होकर बड़ा बाजार के रास्ते से होकर निकली । रैली का शुभारंभ नगर पालिका अध्यक्ष दतिया द्वारा हरी झंडी दिखाकर किया गया।